न्यूज़ टुडे

मध्य प्रदेश को पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क के लिए मंजूरी मिली

यह पीएम मित्र पार्क **मध्य प्रदेश के धार जिले के भेंसोला गांव** में स्थापित किया जाएगा।

- यह पीएम मित्र (MITRA: **प्रधान मंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल**) योजना के तहत विकास के लिए स्वीकृत **सात पीएम मित्र पार्कों में से एक है** (मानचित्र देखें)।

पीएम मित्र योजना के बारे में

- **उद्देश्य:** भारतीय वस्त्र उद्योग को मजबूत बनाना, संचालन का पैमाना बढ़ाना, लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना, संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को एक ही स्थान पर स्थापित करना, निवेश आकर्षित करना, निर्यात क्षमता को बढ़ाना आदि।
  - यह योजना **प्रधानमंत्री के 5F विजन से प्रेरित है।** '**5F' फॉर्मूले में शामिल है**- फार्म टू फाइबर; फाइबर टू फैक्ट्री; फैक्ट्री टू फैशन तथा फैशन टू फॉरेन।
- **मंत्रालय:** वस्त्र मंत्रालय।
- **कुल परिव्यय: वर्ष 2027-28 तक** 7 वर्षों की अवधि के लिए 4,445 करोड़ रुपये।
- **वित्तीय सहायता:** वस्त्र मंत्रालय **ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए प्रति पार्क 800 करोड़ रुपये तक और ब्राउनफील्ड परियोजनाओं के लिए प्रति पार्क 500 करोड़ रुपये** तक की वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।
- **पात्रता:** पार्क की स्थापना **राज्य सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर की जाएगी। इसके लिए** राज्य सरकारें **न्यूनतम 1000 एकड़ के भूखंड** प्रदान करेंगी। ये भूखंड **समेकित और स्वामित्व विवाद से मुक्त** होने चाहिए।
- **कार्यान्वयन: स्पेशल पर्पज़ व्हीकल** (SPV) के ज़रिए किया जाएगा, जिसका स्वामित्व **राज्य और केंद्र सरकार** के पास संयुक्त रूप से होगा।
- **परियोजना की निगरानी:** वस्त्र मंत्रालय एक **परियोजना प्रबंधन एजेंसी** के जरिए तकनीकी और कार्यान्वयन सहायता के साथ निगरानी करेगा।

संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक कार्य विभाग (UN-DESA) ने 'विश्व के देशज (Indigenous) लोगों की स्थिति' पर रिपोर्ट जारी की

रिपोर्ट दर्शाती है कि देशज या मूलवासी समुदायों को **अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई वित्त-पोषण का केवल 1% से भी कम** प्राप्त होता है। साथ ही, अक्सर उन्हें जलवायु परिवर्तन से निपटने की **निर्णय प्रक्रियाओं से भी बाहर** रखा जाता है।

जलवायु परिवर्तन का देशज लोगों पर प्रभाव

- **देशज समुदाय की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव:** कृषि, मात्स्यिकी और वानिकी पर आधारित उनकी आजीविकाएं जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रही हैं। इससे इन समुदायों की आर्थिक आत्मनिर्भरता और संधारणीयता खतरे में पड़ गई है।
- **भूमि और प्राकृतिक संसाधन पर प्रभाव:** उनके पूर्वजों की भूमि और पारिस्थितिकी-तंत्रों में बदलाव से जमीन से जुड़ी उनकी सांस्कृतिक परम्पराएं प्रभावित हो रही हैं। इससे प्राकृतिक पर्यावरण के उपयोग और संरक्षण में उनकी भूमिका तथा इन संसाधनों पर उनकी संप्रभुता कम हो रही है।
- **स्वास्थ्य और सेहत पर प्रभाव:** स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं उपलब्ध नहीं होने तथा पारंपरिक खाद्य स्रोतों से वंचित होने के कारण देशज समुदायों के जलवायु परिवर्तन से संबंधित बीमारियों की चपेट में आने का खतरा बढ़ गया है।
- **भाषा और सांस्कृतिक विरासत पर प्रभाव:** जलवायु परिवर्तन के कारण देशज समुदायों की भाषाओं, परंपराओं एवं सांस्कृतिक पहचान के समक्ष संकट उत्पन्न हो गया है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने में देशज समुदायों की भूमिका

- **जैव विविधता संरक्षण में भूमिका:** विश्व की **केवल 6% आबादी** होने के बावजूद, **देशज समुदाय पृथ्वी पर बची जैव विविधता के लगभग 80% का संरक्षण** करते हैं।
- **पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण में भूमिका:** देशज समुदाय भूमि, क्षेत्रों और संसाधनों के पारंपरिक उपयोग व प्रबंधन के अमूल्य स्रोत हैं। इसी तरह उनकी पारंपरिक कृषि पद्धतियां संसाधनों को समाप्त किए बिना पृथ्वी की देखभाल सुनिश्चित करती हैं।
  - उदाहरण के लिए- **मेक्सिको का कोमकाक (Comcaac) समुदाय** समुद्री और पारिस्थितिकी-तंत्र के पारंपरिक ज्ञान को अपनी भाषा में संरक्षित करता है।
- **देशज संस्कृति द्वारा संरक्षण:** सोमालिया के कुछ देशज समुदायों की संस्कृति में कुछ विशेष प्रकार के वृक्षों की कटाई पर प्रतिबंध है। इस परंपरा का दस्तावेजों में दर्ज नीतियों की बजाय कहावतों, कहानियों और सामाजिक मान्यताओं द्वारा पीढ़ियों से पालन किया जाता रहा है।

स्क्रैमजेट इंजन विकास में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई

DRDO की एक प्रयोगशाला, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (DRDL) ने **1000+ सेकंड का एक्टिव कूल्ड स्क्रैमजेट सबस्केल कॉम्बस्टर** ग्राउंड टेस्टिंग को सफलतापूर्वक पूरा किया।

- यह ग्राउंड टेस्टिंग, जनवरी 2025 में **120 सेकंड के लिए किए गए पूर्व परीक्षण की निरंतरता है।**
- यह परीक्षण **हाइपरसोनिक हथियार तकनीक** को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्क्रैमजेट (सुपरसोनिक कॉम्बस्शन रैमजेट) इंजन

- यह एक **उन्नत एयर-ब्रीदिंग (वायुपोषित) जेट इंजन** है। यह **रैमजेट तकनीक** से बेहतर है, क्योंकि यह **हाइपरसोनिक गति** पर भी प्रभावी ढंग से काम करता है और **सुपरसोनिक दहन** को सक्षम करता है।
  - **रैमजेट** इंजन यान के **फॉरवर्ड मोशन** का उपयोग करके बिना किसी कंप्रेसर के वायु को कंप्रेस करता है।
- **भारत चौथा देश** है, जिसने स्क्रैमजेट इंजन का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया है।

हाइपरसोनिक हथियार

- यह **एयर-ब्रीदिंग इंजन** द्वारा संचालित होता है। इसकी गति **मैक-5 या इससे अधिक होती है या यह ध्वनि की गति से कम-से-कम पांच गुना तेज गति** से गमन कर सकता है।
- यह **बैलिस्टिक मिसाइल की तुलना में कम ऊंचाई पर उड़ान भर** सकता है। इसके चलते इसे ट्रैक करना कठिन हो जाता है।
- **प्रकार:**
  - **हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल (HGV):** इन्हें रॉकेट से छोड़ा जाता है, जैसे आम बैलिस्टिक मिसाइलें छोड़ी जाती हैं, और फिर ये लक्ष्य की ओर ग्लाइड करते हैं।
  - **हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलें (HCM):** ये पूरी उड़ान के दौरान स्क्रैमजेट इंजन से चलती हैं।

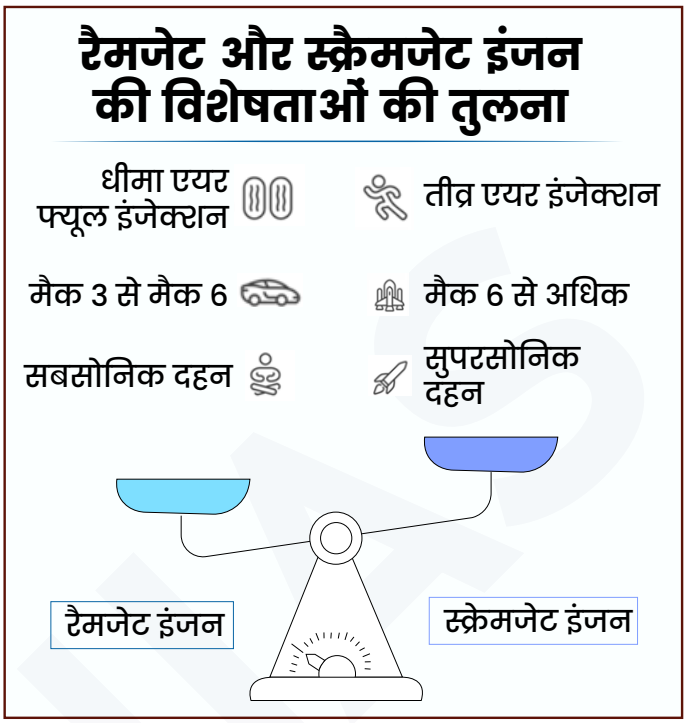

रिवर सिटीज़ अलायंस (RCA) के लिए वार्षिक मास्टर प्लान को मंजूरी दी गई

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) ने रिवर सिटीज़ अलायंस (RCA) के तहत 2025 कार्य योजना को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य भारतीय शहरों में **नदी-केंद्रित शहरी नियोजन को मुख्यधारा में लाना है।**

- इस योजना में **क्षमता निर्माण कार्यक्रम, ज्ञान साझाकरण मंच, तकनीकी उपकरणों का विकास** आदि की एक श्रृंखला शामिल है।

रिवर सिटीज़ एलायंस (RCA) के बारे में

- इसे **2021 में लॉन्च** किया गया था। यह **जल शक्ति मंत्रालय तथा आवास और शहरी कार्य मंत्रालय** की एक संयुक्त पहल है।
- **उद्देश्य:** संस्थागत क्षमता को मजबूत करना, शहरों के मध्य सहयोग को प्रोत्साहित करना और शहरी नदी प्रबंधन योजनाओं (URMP) को समर्थन देना।
- रिवर सिटीज़ अलायंस में **145 शहर शामिल हैं।**
  - कोई भी नदीय शहर किसी भी समय रिवर सिटीज़ अलायंस में शामिल हो सकता है।

शहरी नदी प्रबंधन योजना (URMP) फ्रेमवर्क के बारे में

- इसे **राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान (NIUA) और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन** द्वारा 2020 में लॉन्च किया गया था।
- यह **अपनी तरह का पहला विज़न है, जो यह सुनिश्चित करता है कि नदियों के शहरी स्तर पर प्रबंधन** में पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक आयामों को एक साथ शामिल किया जाए।
- **पांच शहर (कानपुर, अयोध्या, छत्रपति संभाजी नगर, मुरादाबाद और बरेली)** ने पहले ही URMP तैयार कर लिया है।
  - छत्रपति संभाजी नगर के **खाम नदी पुनरुद्धार मिशन को वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट के रॉस सेंटर प्राइज फॉर सिटीज़** द्वारा विश्व स्तर पर मान्यता दी गई है।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) के बारे में

- इसे **सोसायटीज़ पंजीकरण अधिनियम, 1860** के तहत 12 अगस्त 2011 को एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था।
- **उद्देश्य:** नदी-बेसिन दृष्टिकोण अपनाकर **गंगा नदी के प्रदूषण में प्रभावी कमी करना तथा उसका संरक्षण और कायाकल्प सुनिश्चित** करना।
- यह **राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण (NGRBA) की कार्यान्वयन शाखा** के रूप में कार्य करता है।
  - NGRBA का गठन **पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986** के तहत किया गया था। **2016 में प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय गंगा परिषद** का गठन किया गया था। परिषद ने NGRBA का स्थान ले लिया है।
- **प्रबंधन संरचना:**
  - NMCG में दो स्तरों की प्रबंधन व्यवस्था है: शासी परिषद तथा कार्यकारी समिति।
  - दोनों की अध्यक्षता **NMCG का महानिदेशक (Director General)** करता है।

विश्व बैंक ने "पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ्स" रिपोर्ट जारी की

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर-

गरीबी

- चरम गरीबी में कमी (PPP के अनुसार प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन): यह 16% (2011-12) से घटकर मात्र 2.3% (2022-23) रह गई है। करीब 171 मिलियन लोग वैश्विक गरीबी रेखा से बाहर आ गए हैं।
  - PPP: क्रय शक्ति समता।
- ग्रामीण-शहरी अंतराल: यह 7.7% से घटकर 1.7% रह गया है।
- बहुआयामी गरीबी: गैर-मौद्रिक गरीबी (बहुआयामी निर्धनता सूचकांक द्वारा मापी गई) 2005-06 में 53.8% थी, जो 2019-21 में घटकर 16.4% हो गई।
- 5 सबसे अधिक आबादी वाले राज्य: उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में भारत के चरम गरीब लोगों में से 54% (2022-23) और बहुआयामी गरीबों में से 51% (2019-21) निवास करते हैं।

असमानता

- आय असमानता: विश्व असमानता डेटाबेस के अनुसार, भारत का उपभोग-आधारित गिनी सूचकांक 2011-12 में 28.8 था, जो 2022-23 में घटकर 25.5 हो गया। हालांकि, आय असमानता 52 (2004) गिनी से बढ़कर 62 (2023) हो गई है।
  - गिनी सूचकांक/ गुणांक आय असमानता की एक माप है।
- 2023-24 में शीर्ष 10% की औसत आय निचले 10% की तुलना में 13 गुना अधिक थी।

रोजगार

- रोजगार में वृद्धि: विशेष रूप से महिलाओं के बीच रोजगार दर बढ़ रही है। शहरी बेरोजगारी दर भी 2017-18 के बाद से सबसे कम स्तर पर पहुंच गई है।
- अनौपचारिक रोजगार: खेती के अलावा शेष क्षेत्रकों में केवल 23% वैतनिक नौकरियां ही औपचारिक हैं, बाकी सब अनौपचारिक हैं।
- लैंगिक असमानताएं: महिलाओं की रोजगार दर 31% है, फिर भी 23.4 करोड़ अधिक पुरुष वैतनिक नौकरियों में हैं।

बांडुंग सम्मेलन के 70 वर्ष पूरे हुए

प्रथम एशिया-अफ्रीका शिखर सम्मेलन को बांडुंग सम्मेलन के नाम से भी जाना जाता है। यह सम्मेलन 1955 में 18 से 24 अप्रैल तक इंडोनेशिया के बांडुंग में आयोजित हुआ था।

बांडुंग सम्मेलन के बारे में

- उत्पत्ति: अप्रैल 1955 में, एशिया और अफ्रीका के 29 देशों की सरकारों के प्रतिनिधि बांडुंग में एकत्र हुए थे। ये शांति, शीत युद्ध में तीसरी दुनिया की भूमिका, आर्थिक विकास और विऔपनिवेशीकरण पर चर्चा के लिए एक मंच पर आए थे।
- इस सम्मेलन के सह-आयोजक देश थे; इंडोनेशिया, म्यांमार, श्रीलंका, भारत और पाकिस्तान।
- बांडुंग सम्मेलन के 10 प्रमुख सिद्धांत: इनमें राजनीतिक आत्मनिर्णय, संप्रभुता का पारस्परिक सम्मान, अनाक्रमण, दूसरे देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता आदि शामिल थे।
- गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) का अग्रदूत: बांडुंग सम्मेलन और इसके अंतिम संकल्प ने शीत युद्ध के समय गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी थी।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) क्या है?

- परिचय: गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) उन देशों का संगठन है, जिन्होंने शीत युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका या सोवियत संघ के साथ औपचारिक रूप से गठबंधन नहीं किया था और स्वतंत्र रहने का प्रयास किया था।
- स्थापना: इसका गठन संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध को देखते हुए 1961 में किया गया था।
- NAM का पहला सम्मेलन: 1961 में बेलग्रेड सम्मेलन।
- मुख्य सिद्धांत: बांडुंग सम्मेलन के दौरान घोषित "बांडुंग के दस सिद्धांत" गुटनिरपेक्ष आंदोलन के मुख्य लक्ष्य और सिद्धांत बन गए।
- सदस्य: भारत सहित 121 सदस्य देश।
- संरचना: गुटनिरपेक्ष आंदोलन का न तो कोई औपचारिक स्थापना चार्टर या संधि है और न ही इसका कोई स्थायी सचिवालय है।

अन्य सुर्ख़ियां

लैबियो उरु और लैबियो चेकिडा

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद -नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज (ICAR-NBFGR) ने दो नई मछली प्रजातियों की खोज की है।

नई मछली प्रजातियों के बारे में

- लैबियो उरु (Labeo uru):
  - इसका नाम पारंपरिक लकड़ी की नौका (धो) से प्रेरित है, जिसकी तरह इसके फिन लंबे और पाल जैसे हैं।
  - इसे चंद्रगिरि नदी में खोजा गया है।
  - चंद्रगिरि नदी पश्चिम की ओर बहने वाली अंतर्राज्यीय नदी है। यह कर्नाटक के कोडागू जिले के पट्टिमला पहाड़ियों से निकलती है।
- लैबियो चेकिडा (Labeo chekida)
  - यह छोटी और गहरे रंग की मछली है। इसे स्थानीय भाषा में 'काका चेकीदा' कहा जाता है।
  - यह मछली चालाकुडी नदी में पाई जाती है।
  - पश्चिमी घाट की अन्नामलाई पहाड़ियों से निकलने वाली पांच धाराएं मिलकर आगे चालाकुडी नदी के नाम से बहती है।
- दोनों मछली प्रजातियां ताजे जल की प्रजातियां हैं। साथ ही, ये अपने-अपने नदी तंत्रों की स्थानिक (एंडेमिक) प्रजातियां भी हैं।
- यह खोज पश्चिमी घाट के जैव विविधता हॉटस्पॉट के रूप में महत्त्व को रेखांकित करती है।

रामसर कन्वेंशन

रामसर कन्वेंशन के महासचिव ने कहा कि भारत में चीन की तुलना में अधिक संख्या में रामसर साइट्स हैं।

- वर्तमान में भारत में 89 रामसर साइट्स हैं, जबकि चीन के पास 82 साइट्स हैं।

रामसर कन्वेंशन के बारे में

- परिचय: यह विविध देशों की सरकारों के बीच एक संधि है। यह संधि आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) और उनके संसाधनों के संरक्षण एवं विवेकपूर्ण उपयोग के लिए फ्रेमवर्क प्रदान करती है।
- अपनाया गया: इस कन्वेंशन को 1971 में ईरान के रामसर शहर में अपनाया गया था और यह 1975 में लागू हुआ था।
  - भारत ने 1982 में इस कन्वेंशन की अभिपुष्टि (ratify) की थी।
- पक्षकार: संयुक्त राष्ट्र के लगभग 90% सदस्य देश इस कन्वेंशन के पक्षकार बन चुके हैं।
- रामसर साइट्स सूची में शामिल होने हेतु मानदंड:
  - किसी आर्द्रभूमि (Wetland) को रामसर स्थल घोषित करने के लिए उसे कम-से-कम 9 मानदंडों में से किसी एक को पूरा करना होता है।
  - इन 9 मानदंडों में शामिल हैं- नियमित रूप से 20,000 या अधिक जलपक्षियों को आश्रय प्रदान करना, जैव विविधता के संरक्षण में योगदान देना, आदि।

CA- इलेक्ट्रोथ्रिक्स याकोनेंसिस

संयुक्त राज्य अमेरिका में वैज्ञानिकों ने विद्युत चालकता वाले 'CA इलेक्ट्रोथ्रिक्स याकोनेंसिस' नामक बैक्टीरिया की खोज की है।

CA इलेक्ट्रोथ्रिक्स याकोनेंसिस के बारे में

- इसका नाम **याकोना समुदाय** के सम्मान में रखा गया है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के **याक्विना-बे क्षेत्र के देशज लोग** हैं।
- यह **बैक्टीरिया विद्युत चालकता** (Electric Conductivity) के लिए जाना जाता है। **बैक्टीरिया में यह गुण दुर्लभ** है।
- इसकी विद्युत चालकता तलछट (sediment) से युक्त वातावरण में **चयापचय कार्यों (metabolic functions) को बेहतर बनाने** में मदद करती है।
- **महत्त्व**
  - **बायो-इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विकास की संभावना:** इस बैक्टीरिया का उपयोग भविष्य में चिकित्सा, उद्योग, खाद्य सुरक्षा आदि के लिए **बायो-इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस** बनाने में किया जा सकता है।
  - **प्रदूषण नियंत्रण में:** ये बैक्टीरिया **इलेक्ट्रॉन्स को स्थानांतरित** कर सकते हैं। इससे तलछट से प्रदूषकों को हटाने में मदद मिल सकती है और पर्यावरण को स्वच्छ किया जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र स्पॉटलाइट पहल (UN Spotlight Initiative)

UN स्पॉटलाइट पहल की एक रिपोर्ट के अनुसार, **जलवायु परिवर्तन सामाजिक और आर्थिक तनाव को बढ़ा** रहा है। इससे **महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा के स्तर में वृद्धि** हो रही है।

- रिपोर्ट के अनुसार **प्रत्येक 1°C वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ घनिष्ठ साथी द्वारा हिंसा (Intimate Partner Violence) में लगभग 4.7% की वृद्धि** देखी जाती है।

UN स्पॉटलाइट पहल के बारे में

- **परिचय:** यह **यूरोपीय संघ (EU) और संयुक्त राष्ट्र (UN) के बीच एक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी** है।
- **प्रारंभ:** 2017 में।
- **उद्देश्य:** यह सुनिश्चित करना कि सभी महिलाएं, विशेषकर **हाशिए पर रहने वाली और संकट का सामना करने वाली महिलाएं,** हिंसा व नुकसान पहुंचाने वाली अन्य गतिविधियों से मुक्त जीवन जी सकें।

फोनॉन

फोनॉन के गुणों को नियंत्रित करने की एक सफल विधि की खोज की गई।

फोनॉन के बारे में

- **फोनॉन** एक **कंपन ऊर्जा** की इकाई है, जो किसी क्रिस्टल के अंदर **परमाणुओं के सामूहिक दोलन** से उत्पन्न होती है।
  - ये कंपन, **ध्वनि तरंगों** की तरह पदार्थ में फैलते हैं और **ऊर्जा को एक स्थान से दूसरे स्थान** तक ले जाते हैं।
- फोनॉन मुख्य रूप से **पदार्थों में ऊष्मा** के रूप में ऊर्जा ले जाने के लिए जिम्मेदार हैं।
- **महत्त्व:** फोनॉन की **कस्टम थर्मल, ऑप्टिकल और इलेक्ट्रॉनिक** गुणों के साथ सामग्री को डिजाइन करने में अहम भूमिका है। ये विशेषताएं उन्हें **क्वांटम तकनीक** में प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बनाती हैं।

टेंपरेचर फ्लिप

एक अध्ययन के अनुसार, **1961 से अब तक वैश्विक भूमि क्षेत्र के 60% से अधिक हिस्से में टेंपरेचर फ्लिप्स** देखे गए हैं।

- शोधकर्ता ने पाया कि पहले तीव्र फ्लिप्स संभवतः **20वीं सदी की शुरुआत** में आरंभ हुए थे, जिनमें हाल के दशकों में तेजी आई है।

टेंपरेचर फ्लिप के बारे में

- इसका अर्थ है **बहुत कम समय में तापमान का अचानक बहुत गर्मी से ठंड में बदल जाना या ठंड से अचानक गर्मी में बदल** जाना।
- अनुकूलन के लिए समय की कमी के कारण यह **गंभीर स्वास्थ्य तथा पर्यावरण और अवसंरचना संबंधी संकट उत्पन्न** कर सकता है।

वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण (GSTAT)

केंद्र सरकार ने **GST अपीलीय अधिकरण (प्रक्रिया) नियम, 2025** अधिसूचित किए।

- इन नियमों में GSTAT के समक्ष **अपील** दायर करने, इसका **प्रबंधन** करने और इससे जुड़ी **निर्णय प्रक्रिया** का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है।
- GSTAT एक **अर्ध-न्यायिक संस्था** है।

GST अपीलीय अधिकरण (GSTAT) के बारे में

- यह **केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 (CGST अधिनियम)** के तहत स्थापित **द्वितीय** अपीलीय प्राधिकरण है।
- **कार्य:** यह CGST अधिनियम तथा इससे जुड़े राज्य/ केंद्र शासित प्रदेशों के GST अधिनियमों के अंतर्गत दायर की गई विविध अपीलों की सुनवाई करता है।
- **पीठें:** इसकी **प्रधान पीठ (Principal Bench) दिल्ली** में स्थित है। **31 राज्य पीठें (State Benches)** अलग-अलग राज्यों में स्थापित की गई हैं।

ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV)

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) ने सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए भारत की **पहली स्वदेशी रूप से विकसित HPV परीक्षण किट** को मान्यता प्रदान की।

ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) के बारे में

- HPV एक **आम यौन संचारित संक्रमण** है। यह **त्वचा, जननांग क्षेत्र और गले** को प्रभावित कर सकता है।
- ज्यादातर मामलों में, **शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता स्वयं ही वायरस को मार** देती है।
- **यदि उच्च जोखिम वाला HPV संक्रमण शरीर में लगातार** बना रहता है, तो यह असामान्य कोशिकाओं को विकसित कर सकता है, जो आगे चलकर कैंसर का रूप ले लेती हैं।
  - **सर्वाइकल कैंसर** HPV के कारण होने वाला सबसे सामान्य प्रकार का कैंसर है।
- **उपचार:** वर्तमान में HPV संक्रमण का कोई उपचार **नहीं** है।

सुर्ख़ियों में रहे व्यक्तित्व

डॉ. कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन (1940-2025)

प्रतिष्ठित अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन का निधन हो गया।

मुख्य योगदान

- **अंतरिक्ष:** इन्होंने **इसरो के अध्यक्ष (1994-2003)** के रूप में कार्य किया था। इनके नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण मिशन सफल रहे थे, जैसे:
  - **ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV)** का संचालन और **भू-तुल्यकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान (GSLV) की प्रथम सफल** उड़ान।
  - **भास्कर-I और II** जैसे भू-पर्यवेक्षण उपग्रह।
  - भारत की पहली अंतरिक्ष-आधारित उच्च-ऊर्जा खगोल विज्ञान वेधशाला **"एस्ट्रोसैट"** की योजना।
- **शिक्षा:** उन्होंने मसौदा **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2019)** पर समिति की अध्यक्षता की थी।
- **पर्यावरण:** पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील **पश्चिमी घाट** पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए गठित **10 सदस्यीय उच्चस्तरीय कार्य समूह के अध्यक्ष** रहे थे।
  - रिपोर्ट में **पश्चिमी घाट के 37% क्षेत्र** को पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील घोषित करने का सुझाव दिया गया था।
- **मूल्य:** दूरदर्शी नेतृत्व, लोक सेवा आदि।